खमेर आधारित कृषि वानिकी प्रणाली: अवसर, संभावनाएँ एवं सतत आजीविका" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला (Date 03.11.2026)



दिनांक 03 नवम्बर 2026 को "खमेर आधारित कृषि वानिकी प्रणाली: अवसर, संभावनाएँ एवं सतत आजीविका" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन CCF सभागार, नर्मदापुरम में किया गया। यह कार्यशाला किसानों एवं वन विभाग के कर्मचारियों को खमेर आधारित कृषि वानिकी प्रणाली की वैज्ञानिक तकनीकों, उपयोगिता एवं आर्थिक लाभों से अवगत कराने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री गौरव शर्मा, वनमंडलाधिकारी (DFO), नर्मदापुरम ने अपने उद्बोधन में कृषि वानिकी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खमेर जैसी उपयोगी वृक्ष प्रजातियों को कृषि भूमि में अपनाकर किसान अपनी आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित कर सकते हैं। इससे कृषि के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा ग्रामीण आजीविका को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने किसानों एवं वन विभाग के कर्मचारियों से वैज्ञानिक कृषि वानिकी पद्धतियों को अपनाने तथा अधिक से अधिक किसानों तक इसकी जानकारी पहुँचाने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. ननिता बेरी, वैज्ञानिक-एफ एवं राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (AICRP-30), उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (TFRI), जबलपुर ने अपने उद्बोधन में खमेर आधारित कृषि वानिकी प्रणाली की संभावनाओं एवं वैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने खमेर के पौधरोपण, उचित प्रबंधन, वृद्धि, उपयोगिता एवं आर्थिक महत्व के बारे में बताया। साथ ही किसानों को कृषि के साथ वृक्षारोपण अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा बताया कि इस प्रकार की प्रणालियाँ दीर्घकालिक आय के अवसर उपलब्ध कराने के साथ सतत आजीविका एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

इस अवसर पर डॉ. नीरज प्रजापति, श्री मनोज जोशी एवं श्री शैलेन्द्र चंदेली सहित अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यशाला में किसानों एवं वन विभाग के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा खमेर आधारित कृषि वानिकी से संबंधित तकनीकी जानकारी प्राप्त की।

ICFRE-TFRI, Jabalpur has organized a one-day training on "Khamer-based agroforestry system: opportunities, possibilities, and sustainable livelihoods" for farmers and forest officials at forest circle, Narmadapuram. The aim of the training was to create awareness about Gmelina based agroforestry model to increase/double their income within the short period.

Shri Gaurav Sharma, Divisional Forest Officer (DFO), Narmadapuram, chief guest emphasized the importance of agroforestry and invited them to diversified their cropping pattern by adopting the short rotation agroforestry model like Khamer based model base as developed by the TFRI. This will be not only improving agricultural land but farmers can generate intermittent income.

Dr. Nanita Berry, National Project Coordinator, All India Coordinated Research Project (AICRP-30), and Training coordinator, interacted with the farmers and described about the agroforestry especially scientific aspects of khamer-based agroforestry systems. She presented details of khamer plantation and its management, insect pest management, harvesting, transportation and market to sell final produces. She also encouraged farmers to adopt the suitable agroforestry models as per the site condition in the climate resilient model to secure their livelihood.

On this occasion, Dr. Neeraj Prajapati, Mr. Manoj Joshi, and Mr. Shailendra Chandeli, along with other participants, were present. Farmers and Forest Department employees participated enthusiastically in the workshop and received technical information related to Khamer-based agroforestry model.




वन वृत्त





November 3, 2026